C-5 BIBI FATMA TEACHERS' TRAINING COLLEGE SAMASTIPUR

Communicating the subject

R.N.ROY

विषय संवाद UNIT-2

विषय संवाद से तात्पर्य वैसे संवाद या बातचीत से जो की कक्ष में शिक्षक और छात्र के बीच किसी विषय वस्तु पर होती है। हम कई बार कक्षा में संवाद का उपयोग तो करते हैं। किन्तु इस विषय विशेष के संदर्भ में हो जिसकी चर्चा वहाँ हो रही है। यानी हम संवाद को विषय केन्द्रित करके ही इसका उपयोग करते हैं। पर क्या संवाद एक स्वतंत्र घटक नहीं हो सकता। इस तरह हम कह सकते हैं कि संवाद दो या दो से अधिक लोगों के बीच एक लिखित या बोले गए वार्तालाप विनिमय है और एक साहित्यिक और नाटकीय रूप है जो इस तरह के लेन-देन को दर्शाता है। संवाद कपोलकल्पना में दो या दो से अधिक किरदारों के बीच एक मौखिक विनमय है। साधारण भाषा में बात करना कहा जाता है। जैसे:- फिल्मों में, धारावाहिक या किसी बैठक में। अक्सर कक्षाओं में संवादों को विषय केन्द्रित रूप में समझने या देखने का प्रयास किया जाता है। संवाद गणित, अंग्रेजी इतिहास या किसी भी विषय का क्यों न हो वह इस समझ पर आधारित होता है कि कक्षा में संवाद बच्चों की समझ को आकार देने और विषय में रुचि बनाये रखने में सहायक होगा और यही सही भी है किन्तु कुछ ऐसे संवाद भी होते हैं जो विषय पर केन्द्रित न होकर निजी अनुभवों पर केन्द्रित है और कक्षा के भीतर होता है। यदि देखा जाय तो इस तरह का संवाद मामूली लगता है जिसका पाठ्यक्रम स्कूली शिक्षा से कोई संबंध नजर नहीं आता है, किन्तु इसका महत्व तब बढ़ जाता है जब हम प्राथमिक शिक्षा स्तर पर जाते हैं।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

R.N.ROY

जैसे:- एक शिक्षक का कक्षा द्वितीय के बालक के साथ बात-चीत दौरान उसके परिवार की स्थिति का जानना उसकी भाषा को समझना इत्यादि। इन संवादों के माध्यम से कक्षा में अनुशासन की पकड़ बनाई जा सकती है शिक्षक के साथ एक स्वस्थ परिचय बनाने में मदद मिलती है यही बात आगे चलकर शिक्षक और छात्र में सम्बन्ध स्थापित करने में सहायता प्रदान करती है। उदाहरण के माध्यम से हमें व्यक्तिगत अनुभव का आदान-प्रदान देखने को मिलता है जिसमें छात्र अपने स्कूल से बाहर की जिन्दगी के बारे में बताता है कभी-कभी आप और फिर छात्रों कि कक्षा में जब शिक्षक अपने विषय को पढ़ाते रहता है तो वह बालक द्वारा बोले गए कुछ शब्दों को नहीं समझ पाता है किन्तु जब बालक से संवाद करता है तो वह उस शब्द को समझ जाता है इस तरह हम देखते हैं कि विषय संवाद के माध्यम से शिक्षण क्रिया में भी सहायता होती है। विषय संवाद के माध्यम से छात्रों में यह पता ~~लगा~~ लगाया जा सकता है कि

* छात्र क्या कर सकता है क्या नहीं
* छात्रों को क्या कठिन लगता है?
* छात्रों में क्या गलत धारणाएँ हैं,

इसे दूर करने के लिए शिक्षक के माध्यम से निम्न संवाद किए जाते हैं।

* सीखने के स्पष्ट लक्ष्यों की चर्चा करते हुए छात्र के साथ संवाद
* छात्र का लक्ष्य प्राप्ति के लिए सक्रिय होना
* स्वतः और समकक्षीय समीक्षा करना या आकलन किया जाता है

<u>विशेषता</u>

~~* ... और~~

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

subject specific term and their uses

R.N.ROY

विषय विशिष्ट शब्दों और उनके उपयोग

विषय की विशिष्ट से तात्पर्य वैसे विषय के नामों से जब उसके उपयोगों के आधार पर उस विषय को पुकारा जाता है अर्थात उपयोगों के आधार पर विषयों का नामाकरण किया जाना। यह विशिष्ट रूपों में होता है जैसे:- यदि हम सामान्य उद्देश्यों की बात करते हैं तो इसके अन्तर्गत सीर्फ उस विषय की चर्चा की जाती है जिस विषय को शिक्षक कक्षा में पढ़ाना वाले हैं। जैसे:- गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, इतिहास इत्यादि। किन्तु जब विशिष्ट उद्देश्य की बात की जाती है तो उसमें शिक्षक उस विषय के अन्तर्गत बालकों को जो विषयवस्तु पढ़ाने वाले है उस विषय वस्तु की चर्चा की जाती है हम देखते हैं कि जब विषय की चर्चा की जाती है तो सामान्यतः वह वर्तमान काल में चर्चा की जाती है क्योंकि उसकी चर्चा भूतकाल से होती आयी है किन्तु जब विषय वस्तु की चर्चा की जाती है तो वह भविष्यतकाल काल में की जाती है क्योंकि शिक्षक उसे बताने वाले है इस तरह विषय को उसके उपयोगिता के आधार पर जब उसे पुकारा जाता है तो उसे विषय- विशिष्ट की संज्ञा दी गयी है। इस उपयोग को ध्यान में रखते हुए विषय विशिष्ट को स्वीकार किया जाता है जैसे ग्लोसरी मूलतः ग्लास शब्द से बना है। ग्लास ग्रीक भाषा का ग्लोसा है जिसका प्रारंभिक अर्थ वाणी था। बाद में यह 'भाषा' या बोली का वाचक बन गया। आगे चलकर इसमें और अधिक परिवर्तन अर्थ के अनुसार हो गए और इसका प्रयोग किसी प्रकार के

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

2

Cr

N.ROY

शब्द (पारिभाषिक, सामान्य, क्षेत्रीय, प्राचीन अप्रचलित इत्यादि) के लिए होने लगा। ज्ञान की किसी विशेष विधा (कार्य क्षेत्र) में प्रयोग किए जानेवाले शब्दों को उनकी परिभाषा सूची के अन्तर्गत परिभाषित किया जाता है। जैसे विभिन्न विषयों की परिभाषा इसके अन्तर्गत समाहित ज्ञान के अनुसार दी जाती है जैसे:- गणित के अध्ययन में आनेवाले शब्दों एवं उनकी परिभाषा को गणित की परिभाषिक शब्दावली कहा जाता है परिभाषिक शब्दों का प्रयोग जटिल विचारों की अभिव्यक्ति को सुचारू बनाता है। इसके बिना संज्ञा के किसी भी विषय का अर्थ समझना कठिन होता है। जैसे गणित की परिभाषा विशिष्ट रूपों पर कहा गया कि गणित द्विभाषिक विषयों का समूह है ऐसे शब्द किसी विशेष ज्ञान के क्षेत्र में एक निश्चित अर्थ में प्रयुक्त होता है विशिष्ट विषय के रूप में जाने जाते हैं। जैसे:- यदि विज्ञान विषय पर चर्चा की जाय तो हम देखते हैं कि सामान्य विषय के रूप में विज्ञान जानी जाती है और प्रयोग के आधार या उपयोग के आधार पर विज्ञान में भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान आते है पुनः यदि विशिष्टता की बात आती है तो यह विषय भी इनका अलग अलग नामों जाने जाते है। उसी तरह यदि अंग्रेजी को देखा जाय तो अंग्रेजी भी अंग्रेजी व्याकरण के रूप में भी जाने जाते हैं। इस तरह विशिष्टता के आधार पर विषय को परिभाषा दी जाती है अर्थात परिभाषिक शब्द ऐसे शब्दों को कहा जाता है जो सामान्य भाषा की [illegible] का विशिष्ट होता है। जैसे- विज्ञान के अन्तर्गत मनोविज्ञान, इंजीनियरिंग, भूगोल इत्यादि

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

C.5 3

R.N.ROY

अर्थात कुल मिलाकर यह कह सकते है कि पारिभाषिक शब्द वे वह होता है जिसकी सीमा बान्ध दी जाती है किन्तु साधारण शब्द वैसे शब्द होते हैं जिनकी सीमा नहीं बाँधी जा सकती है इस तरह विषय विशिष्ट की परिभाषा भी बंधी हुई होती है जैसे- जन्तु विज्ञान, प्राणी विज्ञान इत्यादि। जबकि विज्ञान की परिभाषा बंधी हुई नहीं होती। इस तरह विषय विशिष्ट को स्पष्ट करते हुए कहा जाता है कि विशेषताए

* विषय विशिष्ट का क्षेत्र सिमित होता है
* विषय विशिष्ट की परिभाषा सिमित होती है
* विषय विशिष्ट सुनिश्चित होता है
* विषय विशिष्ट स्वयं शिक्षक के द्वारा पढ़ाया जाता है
* विषय विशिष्ट मैं उपमंग पर ध्यान दिया जाता है
* विषय विशिष्ट व्यक्ति के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है
* विषय विशिष्ट की उपयोगिता आधुनिक युग मैं अत्यधिक है
* विषय विशिष्ट के आधार पर अनुसंधान किया जाता है
* विषय विशिष्ट मै स्वयं व्यक्ति का विचार निहित होता है
* विषय विशिष्ट शिक्षा का सर्वोत्तम साधन है

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

65

R.N.ROY

BIBI FATMA TEACHERS' TRAINING COLLEGE SAMASTIPUR।
विषय में परियोजना की गतिविधियाँ
Projects/Activities in subject

परियोजना

किसी व्यापार विज्ञान या, इंजीनियरिंग में किसी विशेष लक्ष्य की प्राप्ती के हेतु जो विस्तृत कार्य योजना बनायी जाती है कार्यान्वित की जाती है उसे परियोजना कहते हैं। अर्थात परियोजना से तात्पर्य वैसे योजना से है जिसके अन्तर्गत हम किसी बड़े कार्य को छोटे-छोटे कार्यों में विभक्त करके पूर्ण करने का प्रयास करते हैं। ताकि वह कार्य समय पर पूरा हो सके। कौन से कार्य कब होगा। किस समय पर होगा, कब आरंभ होगा, कब समाप्त होगा कितना संसाधन लगेगा, समाप्ती पर मिलने-वाला परिणाम क्या है इत्यादि का उल्लेख किया जाता हो परियोजना में कार्य की समय-सीमा तय करना जरूरी होता है परियोजना किसी किसी समस्या के निदान या किसी विषय के तथ्यों को प्रकाशित करने के लिए तैयार की गयी एक पूर्ण योजना हो जब हमारे सामने कई समस्या होती है तो सबसे पहले हम उस समस्या की तह तक जाकर जानने की कोशीश करते है तथा उसके निदान करने की संभावनाओं और उपायों पर विचार करते हैं।

परियोजना के प्रकार

* व्यक्तिगत परियोजना - व्यक्तिगत परियोजना से तात्पर्य वैसे परियोजना से है जिन्हें प्रत्येक विद्यार्थी स्वतंत्रता पूर्वक अपने ढंग से पूर्ण करता हो इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को अलग-अलग योजनाएँ दे दी जाती है और वे उन्हें पूर्ण करते हैं।

इस प्रकार इनमें सामाजिकता नागरिकता जैसे सहयोग आपसी समझ, अनुशासन व धैर्य इत्यादि गुणों का विकास होता है

R.N.ROY

विशेषता के आधार पर परियोजना के प्रकार

* रचनात्मक परियोजना - ऐसे परियोजना जिनके विचार अथवा योजना को बाह्य रूप से स्पष्ट किया जाए रचनात्मक परियोजना कहलाता है। जैसे - नाव चलाना, ड्रामा प्रस्तुत करना
* रसास्वादन परियोजना - ऐसा परियोजना जिनका प्रयोजन सौन्दर्य अनुभूति के लिए हो, रसास्वादन परियोजना कहलाता है जैसे - कहानी सुनाना, चित्र देखना, गाना सुनना आदि
* समस्यात्मक परियोजना - ऐसे परियोजना जिसमें बौद्धिक कठिनाई अथवा समस्या का हल ढूँढना हो, समस्यात्मक परियोजना कहलाता है। जैसे - ताप अधिक होने पर द्रव क्यों फैलता है।
* विशेष ज्ञान अथवा कौशल परियोजना - इन परियोजना का उद्देश्य किसी कार्य में दक्षता एवं ज्ञान प्राप्त करना होता है। जैसे - यंत्र को चलाना या उसको चलाने का ज्ञान प्राप्त करना।

परियोजना की विशेषताएँ

* छात्रों को मौलिक चिंतन, क्रियाओं तथा अनुभव द्वारा सीखने का अवसर मिलना
* छात्रों को नवीन ज्ञान से संबंधित करके पूर्वज्ञान को जोड़ना
* छात्रों में सूझ की क्षमताओं का विकास करना
* मनोविज्ञानिक तथा सामाजिक अधिनियमों पर आधारित
* विद्यालय के सभी विषयों को समन्वित रूप में पढ़ाया जाना
* छात्र में ज्ञान के साथ सामाजिक गुणों का विकास करना

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA